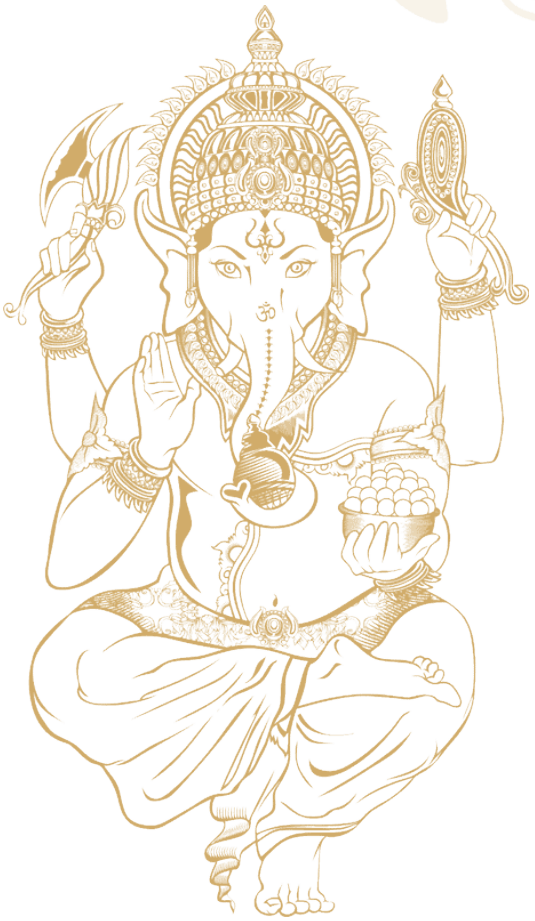

Gagan Aishwarya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119728902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/01/1991	जन्म तिथि	26/02/1996
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 11:25:00	जन्म समय	13:55:00 घंटे
घटी 12:19:10	जन्म समय(घटी)	19:03:01 घटी
India	देश	India
Vishakhapatnam	स्थान	Raipur
17:42:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
83:24:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:36	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:19	सूर्योदय	06:27:03
17:36:34	सूर्यास्त	18:05:41
23:44:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:19

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 11मा 24दि	18:10:09	मीन	लग्न	मिथु	18:03:34	चन्द्र 6वर्ष 8मा 13दि
गुरु	23:42:13	धनु	सूर्य	कुंभ	13:13:15	राहु
02/01/2013	29:04:37	कन्या	चंद्र	वृष	14:23:47	09/11/2009
02/01/2029	04:18:00	वृष	मंगल	कुंभ	14:46:35	09/11/2027
गुरु 20/02/2015	01:19:50	धनु	बुध	मक	20:44:58	राहु 22/07/2012
शनि 02/09/2017	17:29:00	कर्क व	गुरु	धनु	17:18:51	गुरु 16/12/2014
बुध 09/12/2019	10:04:07	मक	शुक्र	मीन	26:18:45	शनि 22/10/2017
केतु 14/11/2020	02:46:31	मक	शनि	मीन	01:09:27	बुध 10/05/2020
शुक्र 16/07/2023	04:22:25	मक व	राहु व	कन्या	24:11:37	केतु 29/05/2021
सूर्य 03/05/2024	04:22:25	कर्क व	केतु व	मीन	24:11:37	शुक्र 28/05/2024
चन्द्र 02/09/2025	16:25:38	धनु	हर्ष	मक	08:45:04	सूर्य 22/04/2025
मंगल 09/08/2026	20:39:19	धनु	नेप	मक	02:54:27	चन्द्र 22/10/2026
राहु 02/01/2029	26:03:07	तुला	प्लूटो	वृश्चि	09:17:21	मंगल 09/11/2027

लग्न-चलित

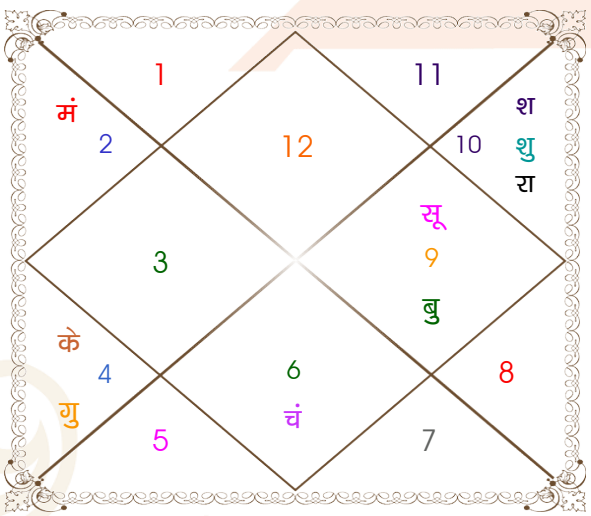

लग्न-चलित

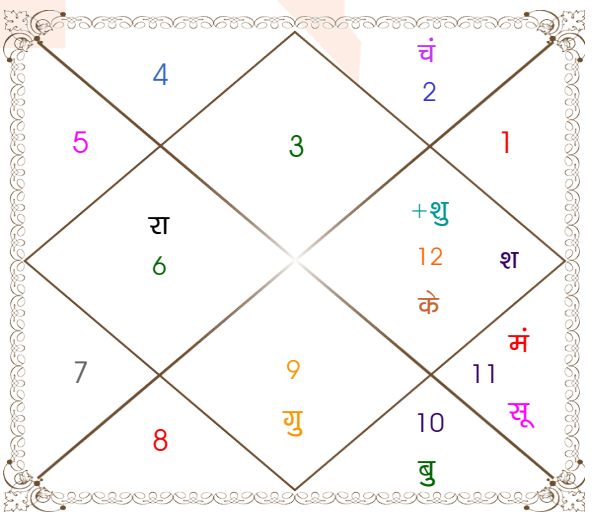

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ळंहंद का वर्ग मूषक है तथा ।पींूतलं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंहंद और ।पींूतलं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ळंहंद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

।पींूतलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ळंहंद तथा ।पींूतलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।